VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M N 0 9 SEP 2022 No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1837)

Name of Candidate	Vikash Senthiya		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	398329
Center	MN	Date	09/09/22

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. **(a)** Explain why altruism constitutes one of the core values in public life. In this regard, suggest some measures to foster altruistic behaviour in public services. **(150 words) 10**

स्पष्ट कीजिए कि परोपकारिता सार्वजनिक जीवन में प्रमुख मूल्यों में से एक क्यों है। इस संबंध में लोक सेवाओं में परोपकारी व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए कुछ उपायों का सुझाव दीजिए।

परोपकारिता का आशय है कि बिना किसी स्वार्थ या प्रतिफल की आशा में किसी व्यक्ति की आर्थिक या अन्य रूपों में सहायता करना।
जैसे - गरीब व्यक्ति को आर्थिक सहायता देना

परोपकारिता - एक प्रमुख मूल्य

1- परोपकारिता से समाज में शांति, सद्भाव को बढ़ावा मिलता है।
जैसे- अगर प्रत्येक व्यक्ति की आवश्यकता पूर्ण हो, तो समाज में शांति रहती है।

2- परोपकारिता का विकास अन्य नैतिक मूल्यों के विकास में सहायक होता है।
जैसे - किसी व्यक्ति के मन में परोपकारिता का भाव तभी आएगा जब उसमें समानुभूति व करुणा के मूल्य हो।

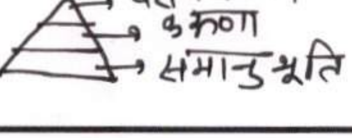

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

लोकसेवाओं में परोपकारी व्यवहार को बढ़ावा देने के उपाय

1- लोकसेवकों को प्रशिक्षण के दौरान नैतिक मूल्यों को सिखाया जाना जिसमें दया, करुणा, परोपकारिता आदि हों।

2- वेबरियन नौकरशाही से विकासात्मक नौकरशाही की ओर अग्रसर होना।

3- लोकसेवाओं में गांधी जी की ट्रस्टीशिप की अवधारणा को लागू करना कि लोकसेवक सिर्फ जनता के धन के रक्षक हैं।

4- परोपकारी सिविल सेवकों को पुरस्कार व प्रोत्साहन

5- भ्रष्टाचार की संस्कृति पर अंकुश लगाना

लोकसेवाओं में परोपकारिता का मूल्य प्रभावी सेवा वितरण, लोककल्याण के साथ वास्तविक रूप में जन केन्द्रित शासन व सुशासन को मजबूत करेगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** Certain actions can be right even though they do not maximize good consequences, for the rightness of such actions consists in their representing certain norms. Discuss with examples. **(150 words) 10**

कुछ कार्य सही हो सकते हैं, भले ही वे अच्छे परिणामों को अधिकतम न करें, क्योंकि ऐसे कार्यों का औचित्य उनमें शामिल कुछ मानदंडों में निहित होते हैं। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

किसी कार्य की नैतिकता या उपयुक्तता को दो आधार पर निर्धारित किया जाता है।

कार्य उचित होगा यदि

- उसके परिणाम उचित हो
  ↓
  टीलियोलॉजी सिद्धांत
- कार्य के साधन उचित, परिणाम भले ही उतने अच्छे न आएं
  ↓
  डिऑन्टोलॉजी सिद्धांत

- डिआन्टोलॉजी सिद्धांत के अनुसार यदि कार्य उचित मानदण्डों से किया गया है तो वह अच्छा होगा।

जैसे- दस्तावेज के अभाव में किसी वास्तविक लाभार्थी को लाभ न देते हुए कानून का पालन करना

↳ मानवाधिकारों की रक्षा के लिए युद्ध करना

लेकिन इस अवधारणा के अनुसार वास्तविक लोककल्याण की प्राप्ति नहीं हो पाती है। इसलिए कभी-कभी कार्य के परिणामों को भी ध्यान में रखना आवश्यक होता है ताकि बेंथम के अनुसार अधिकतम लोगों के अधिकतम सुनिश्चित हो सकें।

जैसे
- किसी असह्य पीड़ा वाले रोगी को यूथेनेशिया देना (जो हिप्पोक्रेटिक ओथ के विपरीत)
- दर्द से तड़पते जानवर को मृत्यु के घाट उतारना आदि

इसलिए गांधी जी की ताबीज के अनुसार किसी कार्य का औचित्य अंतिम व्यक्ति पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखते हुए साधन साध्य की पवित्रता के आधार निर्धारित करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(a)** With the help of appropriate examples, discuss the ethical challenges involved in policing in India. Also, highlight the reasons behind corruption in the police force. **(150 words) 10**

उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से भारत में पुलिसिंग (पुलिस व्यवस्था) में शामिल नैतिक चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। साथ ही, पुलिस बल में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारणों पर प्रकाश डालिए।

पुलिस का कार्य कानून-व्यवस्था को बनाए रखना होता है जिसमें उसे कई नैतिक मुद्दों का सामना करना होता है।

पुलिसिंग व्यवस्था में शामिल नैतिक चुनौतियाँ

1- कानून का पालन बनाम सामाजिक हित की चुनौती

<u>जैसे</u> - किसी दुर्दान्त व आदतन अपराधी को कोर्ट में पेश करें या उसका एनकाउन्टर कर दें।

2- सामाजिक हित के ऊपर व्यक्तिगत हित को वरीयता देने की चुनौती।

3- कभी-कभी पुलिस बल में आम जनता के प्रति असंवेदनशीलता देखी जाती है

<u>जैसे</u> - किसी दंगा के समय सभी व्यक्तियों पर लाठीचार्ज करना।

4- रेप पीड़िता से सवाल-जबाव करने में पुलिस की असंवेदनशीलता

पुलिस बल में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण

1- भ्रष्टाचार की सामाजिक स्वीकार्यता
- धन प्राप्ति के माध्यम से प्रतिष्ठा प्राप्त करने की प्रवृत्ति
- पुलिस की समाज में भ्रष्ट व नकारात्मक छवि के कारण जनता द्वारा रिश्वत देना।

2- पुलिस अधिकारियों के विवेकाधिकारों की अधिकता

3- राजनीतिक-पुलिस गठजोड़

4- पुलिस में अपेक्षाकृत कम वेतन की समस्या

5- जनता को कोर्ट की जटिल प्रक्रिया व पुलिस कार्रवाई से भय

अतः प्रशिक्षण में नैतिक मूल्यों का समावेश तथा प्रकाश सिंह वाद (2006) के दिशानिर्देशों व RTI, e-Governance आदि के द्वारा पुलिस को अधिक नैतिक व प्रभावी बनाया जा सकता है।

2. **(b)** A right combination of spirit and structure is integral to ethical corporate governance. Discuss. **(150 words) 10**

भावना और संरचना का सही संयोजन नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस का अभिन्न अंग होता है। चर्चा कीजिए।

कॉर्पोरेट गवर्नेंस में किसी कंपनी के नियमों व प्रक्रियाओं का समुच्चय होता है जिसमें नैतिक सिद्धांत शामिल होते हैं।

कॉर्पोरेट गवर्नेंस में भावना व संरचना का संयोजन

1 - भावना
- → कर्मचारियों में नैतिक मूल्यों जैसे ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, वस्तुनिष्ठा की सकारात्मक भावना हो।
- → गवर्नेंस केवल शेयर धारकों के स्थान पर सभी हितधारकों को ध्यान में रखे।

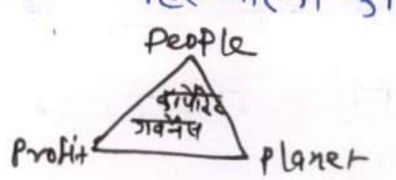

2- संरचना
- → प्रभावी कार्य के लिए एक स्पष्ट व पदानुक्रम आधारित व्यवस्था हो
- → सभी कार्यों में यूनिटी ऑफ कमांड

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- किसी के पास अत्यधिक विवेकाधिकार न हो
- शक्तियों का यथासंभव विकेन्द्रीकरण किया गया हो।
- उदय कोटक समिति के अनुसार बोर्ड में कम से कम 6 स्वतंत्र डायरेक्टर तथा कम से कम 1 महिला डायरेक्टर हो।

इस प्रकार, यदि किसी कंपनी के गवर्नेंस में भावना व संरचना का उचित संयोजन हो तो कॉर्पोरेट शासन में नैतिकता आती है और जनता का उस कंपनी में विश्वास बढ़ने से कंपनी भी लाभ की स्थिति में रहती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (a) It is not only public servants, but also the common citizens who play a key role in institutionalising high standards of ethical conduct and good governance. Elaborate. **(150 words) 10**

न केवल लोक सेवक, बल्कि आम नागरिक भी नैतिक आचरण और सुशासन के उच्च मानकों को संस्थागत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए।

सुशासन से आशय है कि शासन में नैतिक मूल्यों तथा ई-गवर्नेंस का उचित संयोजन हो।

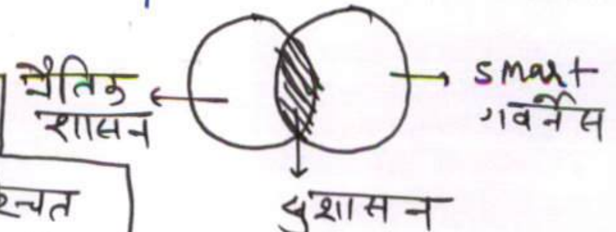

सुशासन व नैतिक आचरण को सुनिश्चित करने में लोक सेवकों की भूमिका —

1- लोकसेवकों को सेवा भावना, वस्तुनिष्ठता, तथा सत्यनिष्ठता के भाव से कार्य करना चाहिए।

2- अपने कार्यों में अधिक-से अधिक पारदर्शिता लानी चाहिए।

3- उनके द्वारा किए गए कार्यों के प्रति उत्तरदायित्व की भावना को स्वीकार करना।

4- सेवा प्रदायगी में उच्च गुणवत्ता, समयबद्धता तथा प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र

को सुनिश्चित करना।

5- व्यक्तिगत हितों के ऊपर सार्वजनिक हितों को वरीयता देना।

कुछ उदाहरण

कौस्तुभ दिवेगांवकर (IAS) — दिव्यांग व्यक्तियों की मीटिंग में जमीन पर बैठ गए

तुकाराम मुंडे (IAS) — अत्यधिक ट्रांसफर के बाद भी सत्यनिष्ठ से कार्य

IPS महेश भागवत — कैंसर से मरने वाली लड़की को एक दिन के लिए जिले का SP बनाया

आम जनता की भूमिका

1- आम जनता को न तो भ्रष्टाचार देना चाहिए और भ्रष्टाचार मांगने वालों की शिकायत करना चाहिए।

2- अपने अधिकारों की जागरूकता के माध्यम से प्रशासन में पारदर्शिता व उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने चाहिए।

3- अपने बच्चों को नैतिक पारिवारिक मूल्यों की सीख क्योंकि यही आगे चलकर लोक सेवक बनेंगे।

इस प्रकार जन-सहभागिता से ही वास्तव में सुशासन व जमीनी स्तर के लोकतंत्र की प्राप्ति हो सकेगी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** Public administration in India suffers from the 'working-in-silos' culture. In this context, discuss the importance of cooperation, coordination and collaboration for efficient governance. **(150 words) 10**

भारत में लोक प्रशासन 'एकाकी कार्य' संस्कृति ('वर्किंग-इन-साइलो' कल्चर) से ग्रस्त है। इस संदर्भ में, कुशल गवर्नेंस के लिए सहयोग, समन्वय और सहभगिता के महत्व पर चर्चा कीजिए।

एकाकी कार्य संस्कृति से आशय है कि किसी कार्य को बिना किसी अन्य के समन्वय के माध्यम से एक ही व्यक्ति / विभाग द्वारा करना।

एकाकी कार्य संस्कृति से समस्याएँ

1- कार्य में विलंब होता है।
जैसे - एक ही फाइल पर मंजूरी के लिए अलग-अलग विभागों में जाना।

2- उत्तरदायित्व की भावना का क्षरण होता है तथा दोषारोपण की प्रवृत्ति को बढ़ावा।

3- प्रक्रियात्मक जटिलता बढ़ती है जिससे योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं।

4- भ्रष्टाचार के अवसरों को बढ़ावा मिलता है

5. विदेशी निवेश व निजी क्षेत्र की सहभागिता में कमी

6- प्रशासन में लाल फीताशाही तथा वर्चस्व की भावना में वृद्धि

अत: सुशासन के लिए एक ऐसी विकेन्द्रीकृत व्यवस्था की आवश्यकता है जिसमें सहयोग, समन्वय और सहभागिता हो —

1) जिससे कार्य की दक्षता में वृद्धि तथा नवीन नवाचारों की संस्कृति को बढ़ावा

2) single window license से प्रक्रियागत जटिलता कम होती है व व्यवसायिक सुगमता में सुधार होता है।

3) जन सहभागिता से साक्ष्य आधारित नीति निर्माण तथा प्रभावी नीति क्रियान्वयन होता है।

4) समन्वय से सरकारी निधि का कुशलतम उपयोग सुनिश्चित होता है।

अत: गुड गवर्नेंस के लक्षणों में सहभागिता, सहमति उन्मुखता आदि पर बल दिया गया है ताकि कुशल प्रशासन बन सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** While emotional intelligence is an essential tool for a public servant, it can also be misused to manipulate people to act against their own interests. Discuss with examples. **(150 words) 10**

हालांकि, भावनात्मक बुद्धिमत्ता लोक सेवक के लिए एक आवश्यक साधन होता है, लेकिन लोगों को अपने हितों के विरुद्ध कार्य करने के लिए प्रेरित करने हेतु इसका दुरुपयोग भी किया जा सकता है। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

सेलोवी एवं मेयर के अनुसार भावनात्मक बुद्धिमता(EI)से आशय खुद की व दूसरों की भावनाओं को समझना तथा उनका प्रबंधन करना एवं कार्य की सफलता हेतु उन्हें निर्देशित करने से है।

E.I. लोक सेवक के लिए आवश्यक साधन

1- E.I. के माध्यम से लोकसेवक बढ़ते कार्यभार व विभिन्न सामाजिक-राजनीतिक दबावों के मध्य तनाव प्रबंधन कर सकता है।

2- आत्म अभिप्रेरणा के द्वारा किसी योजना की सफलता सुनिश्चित करने हेतु स्वयं के साथ अन्य कर्मचारियों को भी मॉटीवेट कर सकता है।

3- समानुभूति के माध्यम से कर्मचारियों की भावनाओं को समझते हुए बेहतर टीम प्रबंधन करना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4) सामाजिक योग्यता के तहत करुणा, वस्तुनिष्ठता जैसे मूल्यों को धारण करते हुए बेहतर जनकल्याण तथा दंगों के समय स्थिति प्रबंधन कर सकता है।

E.I. का दुरुपयोग

1- किसी को भावनात्मक रूप से अपने ऊपर निर्भर बनाना।

2- सार्वजनिक धन का उपयोग व्यक्तिगत हित में करने हेतु E.I. का प्रयोग करना।

3- टीम प्रबंधन के स्थान पर आपसी बैर-भाव को बढ़ाना।

4- E.I. के माध्यम से व्यक्तियों का ब्लैकमेल कर शोषण करना
जैसे - स्त्रियों के साथ

5- समाज में ध्रुवीकरण को बढ़ाना।

E.I. एक योग्यता है जिसका प्रयोग यदि नैतिकता के साथ किया जाएगा तो बेहतर जन कल्याण, सामाजिक न्याय व सुशासन की प्राप्ति होगी।

4. (b) Social influence is an ambivalent concept. It can be a source for good, bad and even for evil. Discuss with the help of relevant examples.
(150 words) 10

सामाजिक प्रभाव एक विरोधाभाषी अवधारणा है। यह अच्छे, बुरे और यहां तक कि अशुभ के लिए भी एक स्रोत हो सकता है। प्रासंगिक उदाहरणों की सहायता से विवेचना कीजिए।

सामाजिक प्रभाव का आशय है कि किसी समूह की अभिवृत्ति परिवर्तित करने के लिए चित्र, वीडियो आदि का सहारा लेना।
जैसे - 'सेल्फी विथ डॉटर' अभियान

सामाजिक प्रभाव - अच्छे के रूप मे

1) स्वच्छ भारत अभियान के दौरान खुले में शौच के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति बनाने में इसकी भूमिका

2) महिलाओं के प्रति होने वाले यौन शोषण को उजागर करने के लिए 'मी टू' अभियान

सामाजिक प्रभाव - बुरे व अशुभ के रूप में

जब सामाजिक प्रभाव के माध्यम किसी नकारात्मक अभिवृत्ति का प्रसार

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

होता है तो उसके भयानक परिणाम निकलते हैं।

जैसे – खाप पंचायतों के माध्यम से हॉनर किलिंग की घटनाएं।

- सामाजिक स्वीकार्यता के कारण भ्रष्टाचार की बढ़ती संस्कृति
- फेक न्यूज (किसी समुदाय विशेष के बारे में) के कारण मॉब लिंचिंग
- ग्रामीण समाज में बढ़ता जातिवाद व भेदभाव

अत: सामाजिक प्रभाव का प्रयोग कुरीतियों व सामाजिक बुराइयों के खिलाफ तथा लोगों की अभिवृत्ति को सकारात्मक बनाने के लिए करना चाहिए जिससे स्वस्थ समाज का निर्माण होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) Effective public service delivery demands a people-centric approach, which is built upon coordination and leverages technology. Discuss.
(150 words) 10

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण एक जन-केंद्रित दृष्टिकोण की मांग करता है, जो समन्वय पर आधारित होता है और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाता है। चर्चा कीजिए।

भारत जैसे लोककल्याणकारी राज्य का एक प्रमुख कार्य नागरिकों को गुणवत्तायुक्त सेवाएँ समय पर प्रदान कराना है।

वर्तमान में सेवा वितरण प्रणाली में कुछ समस्याएँ हैं, जैसे —

1) निम्न गुणवत्ता युक्त सेवा
2) सेवा प्रदायगी में विलंब
3) जटिल व लंबी प्रक्रियाएँ
4) भ्रष्टाचार की समस्या
5) पारदर्शिता व उत्तरदायित्व का अभाव
6) अप्रभावी शिकायत निवारण तंत्र

<u>प्रभावी सेवा वितरण में जनकेन्द्रित दृष्टिकोण</u>

1) इससे नागरिकों की सहभागिता बढ़ेगी
2) नागरिकों की मांग के अनुरूप सेवा प्रदायगी
3) प्रशासन एक फेसिलिटेटर की भूमिका

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4) जनता से प्राप्त फीडबैक से गुणवत्ता में सुधार
5) अधिकारियों में उत्तरदायित्व की भावना

प्रभावी सेवा वितरण में प्रौद्योगिकी

1) सेवाएँ शीघ्र दर प्राप्त होगी
जैसे. e-file tracking system
digital signature
2) CCTV, आदि के प्रयोग से पारदर्शिता में वृद्धि
3) ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली से शिकायतों का शीघ्र समाधान
4) faceless जैसी तकनीकें भ्रष्टाचार को कम करेंगी
5) प्रौद्योगिकी मानवीय हस्तक्षेप को सीमित करके कुशल सेवा
जैसे स्मार्ट मीटरिंग प्रणाली

इस प्रौद्योगिकी व जन केन्द्रता से सेवा वितरण में सुधार होगा और सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करेगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** Highlight the important teachings of Kautilya that are relevant to public services in 21st century India. **(150 words) 10**

कौटिल्य की उन महत्वपूर्ण शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए, जो 21वीं सदी के भारत में लोक सेवाओं के लिए प्रासंगिक हैं।

कौटिल्य चन्द्रगुप्त मौर्य के प्रधान सलाहकार तथा कुशल कूटनीतिज्ञ थे। उन्होंने अर्थशास्त्र नामक पुस्तक लिखी।

कौटिल्य की शिक्षाएँ

1) कौटिल्य के अनुसार राजा को नैतिक होना चाहिए जो सिविल सेवकों की नैतिकता पर बल देती है।

2) सुखी राज्य वही हो सकता है जिसमें प्रजा सुखी हो
"प्रजा सुखे सुखं राज्ञम्"
अत: लोकसेवकों को लोककल्याण का कार्य जनता की संतुष्टि हेतु करना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3) राजा को अन्य राज्यों के साथ संबंधों के निर्धारण में यथार्थवादी दृष्टिकोण के तहत अपने राज्य के हितों को वरीयता देनी चाहिए।

विदेश सेवा के अधिकारियों के लिए यह अत्यंत प्रासंगिक है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. What do each of the following quotations mean to you?

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

(a) "What counts in life is not the mere fact that we have lived. It is what difference we have made to the lives of others that will determine the significance of the life we lead." Nelson Mandela **(150 words) 10**

"जीवन में जो मायने रखता है वह केवल यह तथ्य नहीं है कि हमने अपना जीवन जिया है। दूसरों के जीवन में हमने जो बदलाव लाया है, वह हमारे जीवन के महत्व को निर्धारित करेगा।" - नेल्सन मंडेला

नेल्सन मंडेला का यह कथन स्पष्ट करता है कि व्यक्ति का महत्त्व उतना ही होता है जितना वह समाज की भलाई करके लोगों के जीवन को सुधारता है।

उदाहरण - गांधी ने जीवन भर, ~~अ~~ दूसरों की सेवा तथा उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास किया → इसलिए उन्हें महान कहा जाता है।

→ विवेकानंद तो ईश्वर को दरिद्र नारायण कहते है और जीवन की सार्थकता दूसरों की सेवा में मानते है।

→ इसी प्रकार मार्टिन लूथर किंग ने अश्वेतों के अधिकार के लिए संघर्ष किया

अत: स्पष्ट है कि समाजकल्याण करने वाला तथा दूसरों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन उत्पन्न करने वाला व्यक्ति महान होता है और यही उसे जीवन की महत्ता को निर्धारित करता है।

लोक प्रशासन में इसका महत्व

1) सिविल सेवकों को अपने कार्य को ऐसी भाव से करना चाहिए ताकि वे लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सके।
उदा. प्रकाश आम्टे, महाराष्ट्र के आदिवासी समुदाय के लिए कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में कार्य कर रहे।
ii) व्यक्तिगत हितों के स्थान सार्वजनिक हितो ~~अब~~ को महत्त्व देना।

इस भाव के कार्य करने पर प्रशासन में नैतिकता व समाज में न्याय सुनिश्चित होगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(b)** "I care only for the Spirit - when that is right, everything will be righted by itself". Swami Vivekananda. **(150 words) 10**

"मुझे केवल मूल की परवाह है- जब वह सही होगा, तो सब कुछ स्वयं ही सही हो जाएगा।" - स्वामी विवेकानंद

स्वामी विवेकानंद इस कथन के माध्यम से स्पष्ट करते हैं कि यदि व्यक्ति का हृदय नैतिकता से युक्त (अर्थात् मूल सही हो) तो उसके कार्य स्वतः ही नैतिक हो जाएँगे।

वस्तुतः इसी सन्दर्भ में गाँधी जी की साधन-साध्य की पवित्रता की अवधारणा है जो साधन की पवित्रता को अधिक महत्त्व देते हैं क्योंकि अगर साधन पवित्र है तो साध्य पवित्र हो जाएगा।

जैसे- 'बोया पेड़ बबूल का तो आम कहाँ से खाए' अर्थात् यदि मूल खराब है तो काँटें ही मिलेंगे।

इसी सन्दर्भ में कांट का निरपेक्ष आदेश तथा गीता का निष्काम कर्म

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भी इशारा करता है कि यदि व्यक्ति के कार्य नैतिक होंगे तो उसका फल अवश्य सकारात्मक आएगा।

लोकप्रशासन में इसकी भूमिका

1) यदि लोक प्रशासक उच्च नैतिक मूल्यों से युक्त होंगे तो वे समाज में स्वत: ही सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बनेंगे।

2) नैतिक लोकसेवक से सामाजिक न्याय व लोककल्याण की प्राप्ति होगी।

अत: व्यक्ति को मूल को सुधारने के लिए उसे पारिवारिक स्तर पर व समाजीकरण की प्रक्रिया में ही नैतिक बनाने पर जोर देना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (c) "True peace is not merely the absence of tension; it is the presence of justice." Martin Luther King Jr **(150 words) 10**

"वास्तविक शांति केवल तनाव की अनुपस्थिति नहीं है; बल्कि यह न्याय की उपस्थिति भी है।" - मार्टिन लूथर किंग जूनियर

मार्टिन लूथर किंग के अनुसार वास्तविक शांति केवल तभी आ सकती है जब समाज में सभी के साथ समतामूलक व्यवहार व सामाजिक न्याय की उपस्थिति हो।

इनके अनुसार यदि शोषक वर्ग द्वारा अपनी सत्ता के आधार पर तनाव की समाप्ति कर दी गई है तो एक दिन यह अस्थायी शांति अवश्य भंग होगी।

जैसे - फ्रांस की क्रांति, रूस की क्रांति आदि ऐसी अस्थायी शांति को समाप्त कर वास्तविक शांति की प्राप्ति की दिशा में किया गया प्रयास था।

→ एक स्थान की अशांति, अन्य स्थानों की शांति के लिए खतरा होती है

जैसे - पश्चिमी ~~देशों~~ एशिया में

आतंकवाद सम्पूर्ण विश्व के लिए खतरा है। अतः वसुधैव कुटुम्बकम की धारणा के अनुरूप सम्पूर्ण विश्व में वास्तविक शांति हेतु न्याय का प्रयास करना चाहिए।

→ इस संदर्भ में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर का कथन है –

"जब तक मनुज-मनुज का
सुख भाग नहीं सम होगा
शमित न होगा कोलाहल
संघर्ष नहीं कम होगा।"

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरण का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्द):

7. You have recently graduated from college and are now preparing for the civil services examination. While reading the newspaper, you come across a news report of a Non-Governmental Organisation (NGO), working for child rights, challenging a provision of the Juvenile Justice Act, 2015, in the Supreme Court of India. The said provision provides for the option of Children in Conflict with Law (CCL) to be tried as adults under certain circumstances. The NGO's plea is that children are not able to understand the gravity of crimes. It has also contended that the criminal acts committed by children are a reflection of failure of the society to take care of its children. In the context of this situation, as a young aspirant, answer the following questions:

(a) What are the possible factors that can drive a child towards committing heinous crimes?

(b) Is it ethical to punish children as adults rather than giving them a chance for reformation? **(20)**

आपने हाल ही में कॉलेज से स्नातक किया है और अब आप सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। समाचार पत्र पढ़ते समय, आप बाल अधिकारों के लिए काम कर रहे एक गैर-सरकारी संगठन (NGO) की एक खबर के बारे में पढ़ते हैं, जिसमें भारत के उच्चतम न्यायालय में किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के एक उपबंध को चुनौती दी गई है। उक्त उपबंध कुछ परिस्थितियों में कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चों (CCL) पर वयस्क के रूप में मुकदमा चलाने के विकल्प का प्रावधान करता है। उस NGO की दलील है कि बच्चे अपराधों की गंभीरता को समझने में सक्षम नहीं होते हैं। NGO ने यह भी तर्क दिया है कि बच्चों द्वारा किए गए आपराधिक कृत्य अपने बच्चों की देखभाल करने में समाज की विफलता का प्रतिबिंब हैं। उपर्युक्त परिस्थिति के संदर्भ में तथा एक युवा अभ्यर्थी के रूप में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) वे कौन-से संभावित कारक हैं जो एक बच्चे को जघन्य अपराध करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं?

(b) क्या बच्चों को सुधार का एक मौका देने के बजाय उन्हें वयस्कों के रूप में दंडित करना नैतिक है?

किशोर न्याय अधिनियम 2015 में कुछ जघन्य अपराधों के लिए 16 वर्ष से 18 वर्ष के बच्चों पर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वयस्क के रूप में मुकदमा चलाने का प्रावधान किया गया है।

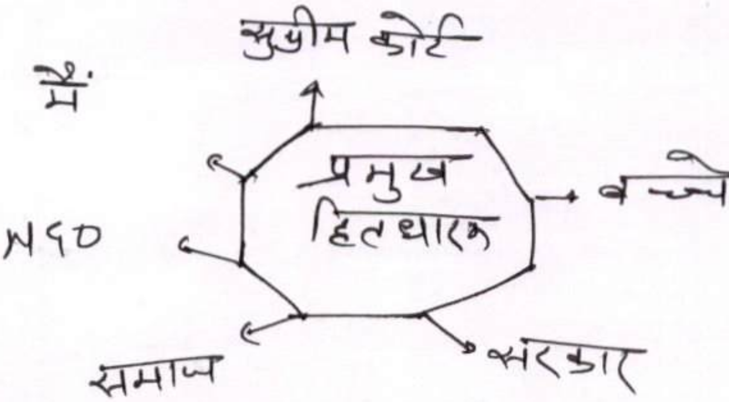

a) बच्चे को जघन्य अपराध के लिए प्रेरित करने वाले संभावित कारक

1- गरीबी - गरीब बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकास इतना नहीं हो पाता है।

2- शिक्षा - शिक्षा के अभाव में बच्चे अपराधों को प्रवृत्त होते हैं।
→ कट्टरपंथी शिक्षा भी बच्चों को अपराध हेतु प्रेरित करती है।

3- पारिवारिक माहौल - यदि पारिवारिक मूल्य अत्यंत रूढ़िवादी,

कट्टर तथा हिंसात्मक है तो बच्चों की अपराध करने की संभावना बढ़ जाती है।

जैसे अत्यंत रूढ़िवादी में पुरुषवादी परिवार के बच्चे द्वारा बलात्कार करने की प्रवृत्ति अधिक होगी।

→ परिवार में मद्यपान, घरेलू हिंसा, पारिवारिक संघर्ष आदि भी प्रेरित करते हैं।

4. जॉन डिबी के अनुसार, जिन बच्चों को माँ का साथ बचपन में नहीं मिलता, उनके अपराधी बनने की अधिक संभावना होती है।

5- कई बार बच्चों का ब्रेनवॉश करके भी उन्हें अपराध के लिए प्रेरित किया जाता है।

6- इंटरनेट - इसने बच्चों की कुंठाओं को बढ़ा दिया है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) सामान्यत: यह माना जाता है कि बच्चे अपराध की गंभीरता को नहीं समझते, अत: उन्हें सुधार गृह में रखा जाता है, उन पर वयस्क की भाँति मुकदमा नहीं चलना चाहिए।

मेरे सुझाव

1) सर्वप्रथम बच्चे की उम्र को ध्यान में रखना चाहिए, अगर उम्र बहुत अधिक कम है, तो उस पर मुकदमा नहीं चलना चाहिए।

2) अपराध की प्रवृत्ति - यदि अपराध बहुत जघन्य है तथा बच्चे की उम्र भी एक सीमा (सामान्यत 16 वर्ष) से अधिक है तो ~~इस~~ मुकदमे पर विचार किया जा सकता है लेकिन इससे पहले निम्न बातों का

ध्यान रखना चाहिए –

A) अपराध के पीछे उद्देश्य क्या था, यदि सोद्देश्य किया गया है तो मुकदमा

B) बच्चे की पृष्ठभूमि जाँचना कि अपराध स्वयं किया या किसी से करवाया।

3) यदि अपराध अनजाने में हुआ तो मुकदमा नहीं, यदि आदतन अपराधी है तो मुकदमा

इस प्रकार इन बिन्दुओं पर विचार करते हुए बच्चे पर मुकदमा चलाने की नैतिकता को सिद्ध किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. You are a CEO-founder of an edTech company. You are under tremendous pressure from the investors in your company to increase the profitability of the company and undertake downsizing. After making a few bad acquisitions, the company's finances have taken a huge hit in the last couple of years. The downsizing is suggested with the hope that the company's profitability would rise, as it often does when mass

layoff or downsizing decisions are carried out. Moreover, the investors have hinted that such measures would attract further investment from them, which has come as a ray of hope considering the ongoing volatile market conditions and slowdown in big-ticket fundings. Given the situation, rumors of unscrupulous firing have started doing the rounds among employees. It has increased apprehensiveness and reduced cohesiveness among them. You have informed the investors that the cost cutting exercise can affect the output as well as reputation of the company in the long-run. However, they are adamant to pursue the same.

(a) Identify the stakeholders and ethical issues involved in the case.

(b) You and the HR team have identified some options and are deliberating to put them across to the investors for consideration. Discuss the merits and demerits of each of these:

(i) Identifying key high performers and offering them suitable positions before implementing the layoff decision.

(ii) Putting the terminated employees on retainer to work part-time.

(iii) Executing the lay off order in the same spirit as it was asked by the investors and letting them deal with the long-term consequences.

(iv) Improving the perception of fairness among the existing and terminated employees and moving ahead with the layoffs.

(c) Without restricting yourself to the above options, discuss the course of action you will take, and provide adequate reasons for the same.

(20)

आप एक एडटेक कंपनी के सह-संस्थापक और सी.ई.ओ. हैं। कंपनी की लाभप्रदता बढ़ाने और छंटनी (डाउनसाइजिंग) करने के लिए आपके ऊपर कंपनी के निवेशकों का जबरदस्त दबाव है। कुछ खराब अधिग्रहण करने के बाद, पिछले कुछ वर्षों में कंपनी की वित्तीय स्थिति में भारी गिरावट आई है। ऐसे में छंटनी का सुझाव कंपनी की लाभप्रदता में वृद्धि की उम्मीद के साथ दिया गया है, क्योंकि सामान्यतः बड़े पैमाने पर छंटनी के निर्णय से लाभप्रदता बढ़ती है। इसके अलावा, निवेशकों ने संकेत दिया है कि इस तरह के उपायों के परिणामस्वरूप वे कंपनी में और अधिक निवेश कर सकते हैं, जो बाजार में चल रही अस्थिर स्थितियों एवं अधिकाधिक फंडिंग में कमी को देखते हुए आशा की किरण के रूप में हैं। इस स्थिति को देखते हुए कर्मचारियों के बीच बेवजह नौकरी से हटाये जाने की अफवाहों का दौर शुरू हो गया है। इन सब बातों ने उनके बीच आशंका को बढ़ाया है और एकजुटता को भी कम किया है। आपने निवेशकों को सूचित किया है कि लागत में कटौती के प्रयास से कंपनी के उत्पादन के साथ-साथ दीर्घावधि में प्रतिष्ठा भी प्रभावित हो सकती है। हालांकि, वे इसी उपाय को अपनाने पर अड़े हुए हैं।

(a) इस प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) आपने और HR टीम ने निम्नलिखित कुछ विकल्पों की पहचान की है तथा उन्हें विचार के लिए निवेशकों के सामने रखने की सोच रहे हैं। इनमें से प्रत्येक के गुणों और दोषों की विवेचना कीजिए:

(i) छंटनी के फैसले को लागू करने से पहले उच्च प्रदर्शन करने वाले अग्रणी कर्मचारियों की पहचान करना और उन्हें उपयुक्त पदों की पेशकश करना।

(ii) हटाये जाने वाले कर्मचारियों को पार्ट-टाइम काम करने के लिए रिटेनर के तौर पर रखना।

(iii) छंटनी के आदेश को उसी भावना से निष्पादित करना जैसा कि निवेशकों द्वारा कहा गया था और उन्हें दीर्घकालिक परिणामों से निपटने की अनुमति देना।

(iv) मौजूदा और हटाये गए कर्मचारियों के बीच निष्पक्षता की धारणा में वृद्धि करना और छंटनी के उपाय के साथ आगे बढ़ना।

(c) स्वयं को उपर्युक्त विकल्पों तक सीमित किए बिना, आपके द्वारा की जाने वाली कार्रवाई पर चर्चा कीजिए और उसके लिए पर्याप्त कारण बताएं।

कंपनियाँ अपने लाभ बढ़ाने के लिए कर्मचारियों की छंटनी करती हैं क्योंकि उनके पास किसी सामाजिक सुरक्षा संबंधी अनुबंध को पालन करने की बाध्यता नहीं होती। उपर्युक्त केस स्टडी भी इसी से संबंधित है।

1)
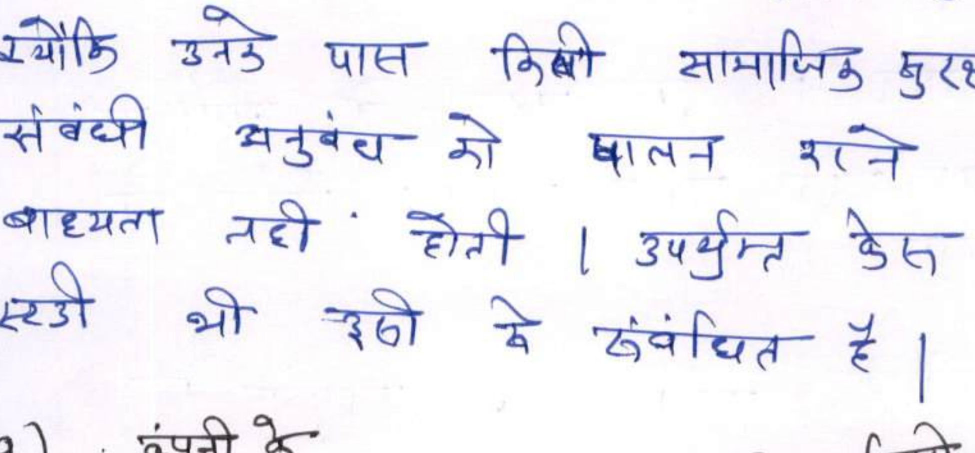

प्रमुख नैतिक मुद्दे

1) खराब अधिग्रहण के कारण कंपनी की लाभ-प्रदता में वृद्धि करना

2) निवेशकों के भरोसे को कंपनी में बनाए रखते हुए छंटनी करना।

3) छंटनी करने से कर्मचारियों की आय व उनके परिवार में आर्थिक संकट की समस्या।

4) भविष्य में इस तरह के कार्यों से कंपनी की साख खराब होने की समस्या

5) कॉर्पोरेट गवर्नेंस के नियमों के अनुकूल न होना

6) कंपनी के शेयरधारक बनाम हितधारक का मुद्दा

b)

प्रथम विकल्प

गुण

1- कंपनी में उच्च कौशल वाले व्यक्तियों की उपलब्धता

2- छँटनी करने से लाभ घटता की स्थिति

दोष

1- भविष्य में कंपनी की साख खराब

2- कर्मचारियों को आर्थिक संकट

द्वितीय विकल्प

गुण

1- कंपनी के लाभ में वृद्धि

2- अपेक्षाकृत साख में कम गिरावट

3- निवेशकों का भरोसा मजबूत

दोष

1- रिटेनर कर्मचारियों में असंतोष से कार्य की उत्पादकता प्रभावित

2- कुछ मात्रा में वेतन देने से वांछनीय लाभ नहीं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

तृतीय विकल्प

गुण

1) कंपनी के लाभ में वृद्धि

2) निवेशकों को CEO पर मजबूत भरोसा

3) कंपनी को अधिक निवेश की प्राप्ति

दोष —

1) हटाए गए कर्मचारियों व उनके परिवारों को आय का संकट

2) कॉर्पोरेट गवर्नेंस के प्रतिकूल

3) कंपनी की साख में गिरावट

चतुर्थ विकल्प

गुण –

- कंपनी को अधिक निवेश प्राप्ति
- लाभ में वृद्धि

हानि - साख में गिरावट
- कॉर्पोरेट गवर्नेंस के खिलाफ

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) मेरे द्वारा की गई कार्रवाई

⇒ सर्वप्रथम मैं अन्य उपायों से कंपनी के लाभ को बढ़ाने के बारे में सोचूंगा।

⇒ अगर ऐसा संभव नहीं है तो उन कर्मचारियों के कौशल का प्रयोग कर लाभप्रदता में वृद्धि करने का प्रयास।

⇒ अगर हटाना पड़ा तो भविष्य में उन्हें पुन नियुक्त करने का वादा देकर

⇒ हटाने से पूर्व नोटिस देना और कुछ एक फंड के माध्यम से कुछ राशि प्रदान करना।

इस प्रकार कंपनी की साख व लाभ दोनों में संतुलन संभव

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. There is an ongoing ethnic civil war in a neighbouring country. The conflict has caused massive displacement of people from the country. Ironically, the developed countries have closed off their borders to the refugees on account of the COVID-19 pandemic, resource competition, domestic politics etc. With countries sealing off their borders, the refugees are left in a vulnerable situation and many are taking illegal routes to enter your country. As a Senior Official of your country's Ministry of External Affairs, you have been involved in discussions with officials of other nations and are entrusted with the mandate to design a national policy to safely accommodate India bound refugees. In this context, answer the following questions:

(a) Discuss the moral issues related to the rights of international refugees, especially those from conflict-torn regions.

(b) What recommendations would you suggest given the large influx of refugees in India. **(20)**

एक पड़ोसी देश में नृजातीय गृह-युद्ध जारी है। यह संघर्ष उक्त देश से लोगों के बड़े पैमाने पर विस्थापन का कारण बन गया है। विडंबना यह है कि विकसित देशों ने कोविड-19 महामारी, संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा, घरेलू राजनीति आदि के कारण शरणार्थियों हेतु अपनी सीमाओं को बंद कर दिया है। देशों द्वारा अपनी सीमाओं को बंद करने के कारण शरणार्थियों की स्थिति असुरक्षित हो गई है और वे आपके देश में प्रवेश करने के लिए कई अवैध मार्ग अपना रहे हैं। अपने देश के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में, आप दूसरे देशों के अधिकारियों के साथ चर्चा में शामिल रहे हैं और आपको भारत में रहने वाले शरणार्थियों को सुरक्षित रूप से समायोजित करने के लिए एक राष्ट्रीय नीति तैयार करने का कार्य सौंपा गया है। इस संदर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थियों, विशेष रूप से संघर्षग्रस्त क्षेत्रों से आने वाले शरणार्थियों, के अधिकारों से संबंधित नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) भारत में शरणार्थियों की बड़ी संख्या के आगमन को देखते हुए आप क्या सुझाव देंगे।

हाल ही में रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण यूरोपीय देशों में शरणार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई है। ऐसे में शरणार्थी को आश्रय देने वाले देश में कई

चुनौतियां उत्पन्न होती है जिससे वे अपनी सीमाओं को बंद कर देते हैं।

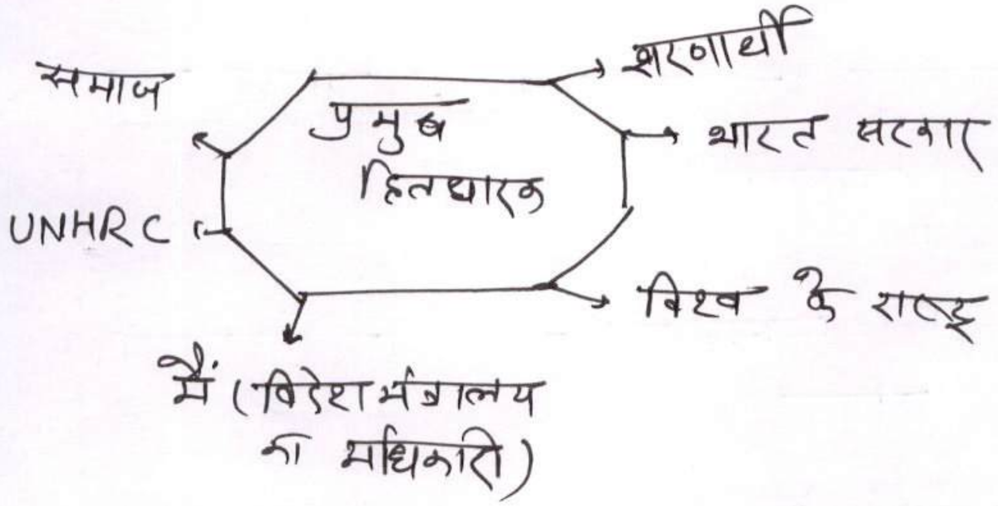

a) शरणार्थियों के अधिकारों से संबंधित नैतिक मुद्दे

1) संघर्षरत क्षेत्र में अपनी व परिवार की जान-माल की सुरक्षा की समस्या।

2) प्रवास ~~किए~~ कर गए नए देश में भोजन व आवास की समस्या

3) स्थानीय लोगों द्वारा बहिष्कार किए जाने व संघर्ष की समस्या

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4) एक व्यक्ति के रूप में गरिमापूर्ण जीवन के मानवाधिकारों का उल्लंघन

5) मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित रहने की समस्या।

6) अपनी जमीन व संसाधनों को छोड़ने की पीड़ा

7) बच्चों के लिए शिक्षा, रोजगार आदि न मिलने की समस्या।

8) महिलाओं के साथ अपराधों की समस्या

b) भारत में शरणार्थियों की बड़ी संख्या के आगमन की स्थिति में मेरे सुझाव

1- भारत की सीमाओं को बंद नहीं करेंगे।

2- सभी देश मिलकर शरणार्थियों

का भार उठाए, इसके लिए एक व्यापक नीति निर्माण हेतु वैश्विक देशों के साथ सहयोग।

3- UN, वैश्विक राष्ट्रों के सहयोग से युद्ध को खत्म करने का प्रयास

4- पड़ोसी देश से वार्ता के माध्यम से युद्ध के पश्चात शरणार्थियों को वापस भेजने की योजना

5- अस्थायी तौर पर उनके लिए आवास व भोजन की व्यवस्था

6- स्थानीय संघर्ष को रोकने के लिए उन्हें किसी अलग क्षेत्र में अधिवासित करना।

शरणार्थी आने वाले देश में संसाधनों पर दबाव बढ़ाते हैं

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

इसलिए कोई भी देश उन्हें लम्बे समय तक आश्रय नहीं दे सकता इसके लिए वैश्विक सहयोग से एक प्रभावी नीति बनानी चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Social interactions where a person is addressed by their correct name and pronouns, consistent with their gender identity, are widely recognized as a basic and yet critical aspect of gender affirmation. A national university invited speakers for a discussion on rights of sexual minorities in India. The panel included speakers representing a wide variety of opinions and perspectives on the issue. The debates, though largely peaceful, witnessed a controversy. A college association representing sexual minorities took offence against a panellist who cautioned against self-identification by sexual minorities and the liberal use of pronouns. The association reached out to the media and the localised controversy soon turned into a national issue across news networks and social media. The association demanded that the panellist apologise for his views and issue a public statement in this context. The panellist, on the other hand, seemed unmoved by the issue. In the meantime, the University has come under huge pressure to resolve the issue. The Vice Chancellor set up a Committee to look into the matter and its peaceful resolution. You have been appointed as the Chairperson of the Committee. In this regard, answer the following questions:

(a) Discuss the various moral issues involved in the case.

(b) Keeping the right to freedom of speech and expression in mind, highlight the steps you would take to resolve the issue and list arguments in support. **(20)**

सामाजिक संपर्क, जहां व्यक्ति को उनके सही नाम एवं सर्वनाम द्वारा और उनकी लैंगिक पहचान के अनुरूप संबोधित किया जाता है, को व्यापक रूप से लैंगिक पुष्टि के एक बुनियादी और महत्वपूर्ण पहलू के रूप में पहचाना जाता है। राष्ट्रीय स्तर के एक विश्वविद्यालय ने भारत में लैंगिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर चर्चा के लिए वक्ताओं को आमंत्रित किया है। उस पैनल में इस मुद्दे पर विभिन्न प्रकार की राय और दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करने वाले वक्ता शामिल थे। हालांकि, वहां की गई चर्चा काफी हद तक शांतिपूर्ण थी, लेकिन इसमें एक विवाद भी उत्पन्न हुआ। लैंगिक अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक कॉलेज एसोसिएशन ने लैंगिक अल्पसंख्यकों द्वारा आत्म-पहचान और सर्वनामों के उदार उपयोग के खिलाफ चेतावनी देने वाले एक पैनलिस्ट के खिलाफ उग्र विरोध प्रदर्शित किया। उस एसोसिएशन ने मीडिया के माध्यम से अपना मत व्यक्त किया और स्थानीय विवाद जल्द ही समाचार नेटवर्क और सोशल मीडिया पर एक राष्ट्रीय मुद्दे में बदल गया। उस एसोसिएशन ने मांग की कि वह पैनलिस्ट अपने विचारों के लिए माफी मांगे और इस संदर्भ में एक सार्वजनिक बयान जारी करे। दूसरी ओर, वह पैनलिस्ट इस मुद्दे से अप्रभावित था। साथ ही, विश्वविद्यालय पर मामले को सुलझाने का भारी दबाव है। कुलपति द्वारा मामले की जांच करने और इसके शांतिपूर्ण समाधान के लिए एक समिति का गठन किया गया है। आपको समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। इस संबंध में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल विभिन्न नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को ध्यान में रखते हुए, इस मुद्दे को हल करने के लिए आप जो कदम उठाएंगे उसे रेखांकित कीजिए और समर्थन में तर्क दीजिए।

2011 की जनगणना के अनुसार भारत में लगभग 43 लाख से अधिक ट्रांसजेंडर हैं। लैंगिक रूप से अल्पसंख्यकों पर सामाजिक टिप्पणियाँ समाज में तनाव पैदा करती है जैसा कि इस केस स्टडी में है।

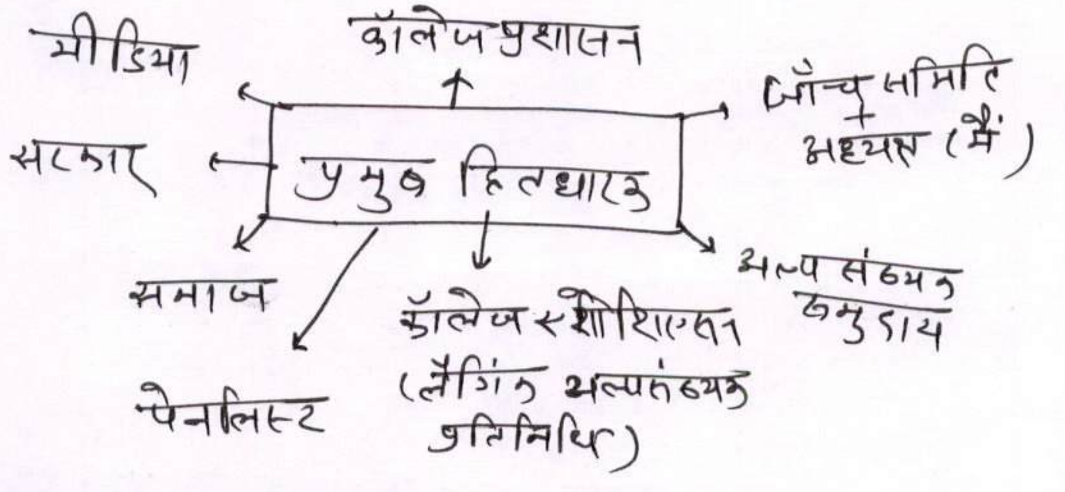

a) विभिन्न नैतिक मुद्दे

1) अल्पसंख्यकों के अधिकारों का मुद्दा कि उन्हें सम्मानजनक शब्दों से सम्बोधित किया जाए।

2) कॉलेज की साख का मुद्दा

3) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनाम किसी के अधिकारों का हनन

4) सोशल मीडिया में होने वाले विरोध की समस्या

5) अध्यक्ष के रूप में तटस्थता से अपने कर्त्तव्य निर्वहन का दायित्व

b) मेरे द्वारा उठाए गए कदम

a) सर्वप्रथम मैं इस पूरे मामले को संज्ञान में लेते हुए प्रकरण की जाँच शुरू कराऊँगा।

b) इसके लिए मैं आवश्यकता पड़ने पर समिति सदस्यों के साथ मिलकर उस पेन्टिस्ट व अल्पसंख्यक समूह प्रतिनिधि से मिलकर उनका पक्ष जानूँगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3) यदि संभव हुआ तो उस डिबेट की वीडियो रिकॉर्डिंग देखकर वास्तविकता जानने का प्रयास करूँगा।

4) यदि पेनलिस्ट द्वारा ऐसी कोई टिप्पणी नहीं की गई है तो मैं उसका बचाव करते हुए मीडिया में अपनी बात रखूँगा, और एक काउन्टर मीडिया कैंपेन द्वारा उसकी छवि सुधारने का प्रयास करूँगा।

5) यदि वास्तव में पेनलिस्ट द्वारा ऐसी टिप्पणी की गई है तो मैं पेनलिस्ट को पर्सुएशन द्वारा समझाकर माफी मांगने के लिए कहूँगा।

6) अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो उन्हें बताऊँगा कि SC ST (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उन पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

मेरा अनुमान है कि उपर्युक्त प्रक्रिया से समाधान संभव है।

11. You are a young athlete representing India at an international-level competition. To your surprise, during the competition, you witness a few senior athletes injecting something using a syringe in private. When you approach them, they explain that it is a performance enhancing drug, which is very common in such competitions and you should take the same as well. You are aware that if these players get caught in a doping test, it may damage India's reputation. You are confused and afraid of the repercussions and decide to approach the coach to discuss the event you witnessed. However, you get to know that the athletes are taking the drug on the advice of the coach himself.

(a) What would you do in this scenario? Discuss the options available to you and chart your course of action.

(b) What are the reasons behind the use of performance enhancing drugs in competitive sporting events? How can this practice be minimized?

(20)

आप अंतर्राष्ट्रीय स्तर की एक प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एक युवा एथलीट हैं। आश्चर्यजनक रूप से, आप प्रतियोगिता के दौरान कुछ वरिष्ठ एथलीटों को गुप्त रूप से सिरिंज का उपयोग करके कुछ इंजेक्शन को लगाते हुए देखते हैं। जब आप उनसे संपर्क करते हैं, तो वे समझाते हैं कि यह प्रदर्शन बढ़ाने वाली एक दवा है, जो ऐसी प्रतियोगिताओं में बहुत आम है और आपको भी इसे लेना चाहिए। आप जानते हैं कि यदि ये खिलाड़ी डोपिंग टेस्ट में फंस जाते हैं तो इससे भारत की साख खराब हो सकती है। आप दुविधा में हैं और इसके परिणामों से डरते हैं। साथ ही, आप इस घटना पर चर्चा करने के लिए कोच से संपर्क करने का फैसला करते हैं। हालांकि, आपको पता चलता है कि एथलीट कोच की सलाह पर इस दवा को ले रहे हैं।

(a) इस परिदृश्य में आप क्या करेंगे? आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों पर चर्चा कीजिए और अपनी कार्रवाई की रूपरेखा तैयार कीजिए।

(b) प्रतिस्पर्धी खेल प्रतियोगिता के आयोजनों में प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के उपयोग के पीछे क्या कारण हैं? इस प्रथा को कैसे कम किया जा सकता है?

खेलों में डोपिंग की बढ़ती समस्या एक प्रमुख प्रवृत्ति बन गई है जिससे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की साख खराब होती है। कुछ समय पूर्व WADA ने भारत को डोपिंग

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इंजेक्शन को इसी कारण प्रतिबंधित कर दिया था।

a) <u>मेरे समक्ष उपलब्ध विकल्प</u>

i) कोच की बात मान लूँ और कोई कार्रवाई न करूँ

गुण	दोष
1- किसी खिलाड़ी के साथ व कोच के साथ कोई विवाद नहीं होगा।	1- खेल नैतिकता के विरुद्ध
2- खेल में उन खिलाड़ियों द्वारा अच्छे प्रदर्शन की संभावना	2- भारत की छवि खराब
	3- अंतरात्मा का संकट

ii) कोच व खिलाड़ियों के विरुद्ध जाकर इस बात का खुलासा कर दूँ।

<u>गुण</u> → ~~i) कोच व खिलाड़ियों के साथ तनावपूर्ण संबंध~~

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

~~i) उन खिलाड़ियों को से~~

ii) देश की लाज बचाना संभव

iii) खेल नैतिकता के अनुकूल

दोष - वरिष्ठ खिलाड़ियों का खेल से बाहर हो जाना

- संबंध तनावपूर्ण कोच व खिलाड़ियों के साथ

iii) तीसरा विकल्प व मेरी कार्यवाई

a) सर्वप्रथम मैं कोच व खिलाड़ियों को समझाने का प्रयास करूँगा कि इससे वे खेल से निकाले जा सकते हैं।

b) नहीं मानने पर मैं उच्च अधिकारियों को पत्र लिखकर सूचना दूंगा और इसमें कोच की

संलिप्तता को उजागर करूँगा।

c) खुद इस तरह के प्रयासों से दूर रहकर खेल नैतिकता का पालन करूँगा।

b) इन दवाओं के उपयोग के ~~पीछे~~ के कारण

1) इससे खिलाड़ियों का खेल में प्रदर्शन बेहतर

2) डोपिंग टेस्ट की उचित व्यवस्था न होने से दोषी खिलाड़ी बच जाते हैं - जिससे इस प्रवृत्ति को बढ़ावा।

3) खिलाड़ियों में खेल नैतिकता न होकर केवल जीतने की भावना

4) जीतने पर धन व सामाजिक सम्मान की प्राप्ति आदि।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इस प्रथा को रोकने के उपाय

i) खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के दौरान इस तरह की प्रथाओं से दूर रहने का सुझाव देना।

ii) डोपिंग जाँच की प्रभावी व्यवस्था

iii) दोषी व्यक्ति को दण्ड देना जिससे उदाहरण सेट हो।

iv) खिलाड़ी के साथ कोच आदि की संलिप्तता में उसे भी दण्ड देना।

v) WADA को अधिक शक्ति व प्रभावशाली बनाना।

इस प्रकार एन्टी डोपिंग खेल में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. You have been newly appointed as the District Magistrate of a district, which is known for its rich mineral deposits. Following the news being circulated in the media about the illegal mining in your district, you have initiated an enquiry into it. When the State's Minister of Mines and Minerals gets to know of the enquiry initiated by you, he directs you to name some junior government employees as being involved in the wrongdoing and make them scapegoats. He also points out that elections to the State Assembly are around the corner and the present government wishes to stay clear of any political corruption. This Minister is a very influential figure in the present regime and there are high chances of the present ruling party being voted back to power. In due course of the enquiry, it has come to your notice that the said Minister has also been involved in illegal mining through his cronies.

The findings of the enquiry can affect the outcome of the elections as well as completely derail your career, if the incumbent party wins the elections, which looks very likely as per the polls.

Answer the following with reference to this case:

(a) Identify the stakeholders and the ethical issues in the given case.

(b) Critically evaluate the options in the given scenario and state your course of action, giving reasons. **(20)**

आपको एक ऐसे जिले के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया गया है, जो अपने समृद्ध खनिज भंडार के लिए जाना जाता है। आपके जिले में अवैध खनन के बारे में मीडिया में खबर प्रसारित होने के बाद, आपने इसकी जांच शुरू कर दी है। जब राज्य के खान और खनिज मंत्री को आपके द्वारा शुरू की गई जांच के बारे में पता चलता है, तो वो आपको कुछ कनिष्ठ सरकारी कर्मचारियों पर गलत काम में शामिल होने का आरोप लगाने और उन्हें बलि का बकरा बनाने का निर्देश देते हैं। वह यह भी बताते हैं कि राज्य विधान सभा के चुनाव नजदीक हैं और वर्तमान सरकार किसी भी राजनीतिक भ्रष्टाचार से दूर रहना चाहती है। वह मंत्री वर्तमान सरकार में एक अत्यधिक प्रभावशाली व्यक्ति है और साथ ही, वर्तमान सत्ताधारी दल के सत्ता में वापस आने की बहुत अधिक संभावना है। जांच के क्रम में आपके संज्ञान में आया है कि उक्त मंत्री अपने साथियों के माध्यम से अवैध खनन में शामिल रहा है। यदि सत्ताधारी दल चुनाव जीत जाता है, जिसकी अनुमानों के अनुसार संभावना अधिक है, तो आपकी जांच के निष्कर्ष चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के साथ-साथ आपके करियर को भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेंगे।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

(a) प्रदत्त प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) दिए गए परिदृश्य में उपलब्ध विकल्पों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए और कारण बताते हुए अपनी कार्रवाई का विवरण दीजिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत में अवैध खनन एक प्रमुख समस्या है जिससे पर्यावरणीय प्रदूषण, सरकार को राजस्व हानि के साथ-साथ गलत कार्य-संस्कृति का भी निर्माण होता है।

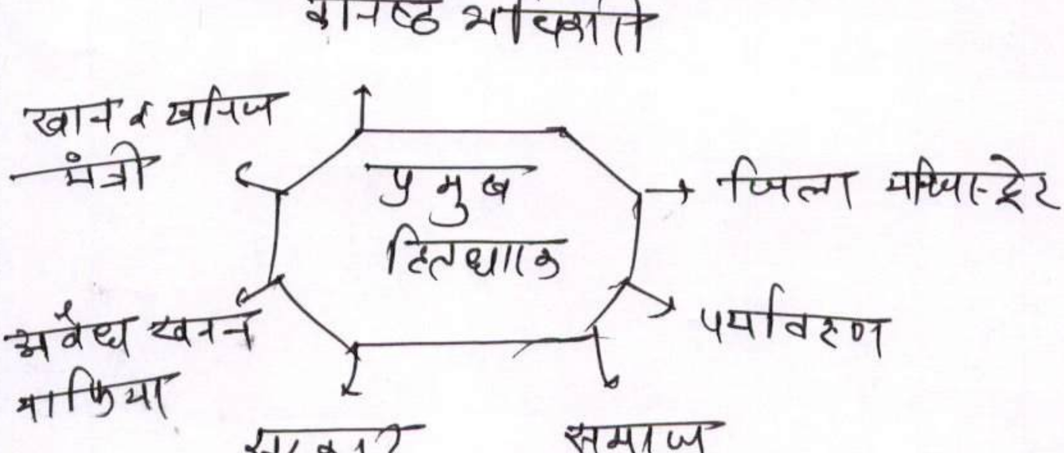

a) प्रमुख नैतिक मुद्दे

1) अवैध खनन के कारण सरकार को होने वाली राजस्व हानि

2) कनिष्ठ अधिकारियों पर झूठे आरोप लगने से उनके करियर खत्म होने की संभावना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3) अवैध खनन माफिया को राजनीतिक संरक्षण का मुद्दा

4) अपराधी - नेता गठजोड़ से राजनीति का बढ़ता अपराधीकरण

5) राजनीतिक दबाव व कर्तव्यपालन का मुद्दा

6) अपराधियों को दण्ड देने व अवैध खनन को रोकने का मुद्दा

मेरे समक्ष उपलब्ध विकल्प

1) कोई कार्रवाई न करूँ और इस मुद्दे को दबा दूं।

गुण	दोष
1- मंत्री से लाभ मिलने की उम्मीद	1- अपराधियों का बढ़ावा
2- ~~अधि~~ कनिष्ठ अधिकारी सुरक्षित	2- राजनीति का अपराधीकरण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

~~2- मंत्रियों के~~

2- मंत्री के आदेश अनुसार कनिष्ठ अधिकारियों पर कार्यवाई

गुण	दोष
1- मंत्री के चुनाव जीतने की संभावना	1- राजनीति का अपराधीकरण।
2- मंत्री के साथ अच्छे संबंध	2- अंतरात्मा का संकट
	3- निर्दोष को सजा व अपराधी मुक्त

3- तीसरा विकल्प व मेरी कार्यवाई

1) सर्वप्रथम पूरे मामले की जांच करूंगा इसके लिए एक समिति का गठन

2) अपने वरिष्ठ अधिकारियों को इस संबंध में सूचना दूंगा और उनसे मार्गदर्शन लूंगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3) मंत्री के अनुचित दबाव को न मानते हुए उनसे लिखित रूप मे देने के लिए कहूँगा

4) ईमानदारी से कार्य करते हुए अपराधियों पर कार्रवाई करूँगा।